पपीता कांड

कठिन शब्दों के अर्थ

खोजबीन - तलाश

पिलपिले - नरम

महाकंजूस - बड़ा कृपण

खड़खड़ाने - खटखटाना

आलस्यवश - सुस्तीपन

विशेषता - खासियत

सलामत - ठीक-ठाक

बढ़िया - बहुत अच्छा

खुशामद - मिन्नतें करना / मनाना

दलील - तर्क देना / सफाई देना

भाषा

नीचे लिखे शब्दों के समास विग्रह करो :-

शब्द (समास)		समास - विग्रह
रसोईघर	-	रसोई के लिए घर
चारपाई	-	चार पायों वाली
घुड़सवार	-	घोड़े की सवारी

Continued (जारी)

(समास)	(समास - विग्रह)
तन - मन	→ तन और मन
आनंदमग्न	→ आनंद में मग्न
सभापति	→ सभा का पति
दो - चार	→ दो चार

पर्यायवाची लिखो

मकान - घर, निकेतन

शाम - संध्या, साँझ

आँच - ताप, गर्मी

रात - रात्रि, रजनी

पेड़ - तरु, विटप

संतों की वाणी

(2) पद - खेलत स्याम ...... कछु और उपाय।

प्रसंग - सूरदास जी प्रस्तुत पद में काली नाग दमन के लिए कृष्ण की लीला का वर्णन किया है। प्रस्तुत पद में कृष्ण का सखाओं के साथ गेंद खेलते हुए यमुना में गेंद लाने के बहाने प्रवेश करने के दृश्य का चित्रण है।

व्याख्या - सूरदास जी कहते हैं कि कृष्ण अपने सखाओं के साथ गेंद खेलते हैं। एक गेंद को मारते हैं तो एक रोकते हैं। नाना प्रकार छल करते हुए गेंद को लेकर ~~एक~~ के बाद एक भागते हैं। ~~~~ गेंद को लेकर सभी आपस में मारते हैं। कृष्ण अपने सखाओं को गेंद के माध्यम से यमुना तट पर ले जाते हैं और वहाँ खेलने लगते हैं। गेंद को यमुना में गिराकर श्याम गेंद को लाने के बहाने कालिया नाग जो अपने बिष से यमुना के जल को जहरीला कर रहा था के दमन के उद्देश्य से यमुना में प्रवेश करता है वहां वे काली नाग को मारते हैं वहां से दूर जाने को कहते

हैं और यमुना के जल को बचाते हैं तथा
कृष्ण गोंद को लेकर आते हैं।
सूरदास कहते हैं श्याम के लीला को
उनके सिवा और कौन जान सकता है।

— o —